भूकंपरोधी डिजायन बनाने में जुटे छात्र

आईआईटी में वर्कशॉप

कानपुर : आईआईटी में सिविल इंजीनियरिंग विभाग के नेशनल इंफॉर्मेशन सेंटर ऑफ अर्थक्वेक इंजीनियरिंग (एनआईसीईई) द्वारा आयोजित कार्यशाला में आर्किटेक्चर के छात्रों ने सोमवार को भूकंपरोधी निर्माण की बारीक जानकारी ली। छह दिवसीय इस कार्यशाला में देश भर से आये छात्र ऐसी आर्किटेक्चरल डिजायन बनायेंगे जिसमें भूकंप आने पर न्यूनतम नुकसान हो। 11 जुलाई को ज्यूरी श्रेष्ठ डिजायन चुनेगी।

सुबह 9:30 बजे कार्यशाला का उद्घाटन आईटीआईटी के डिप्टी डायरेक्टर प्रो. आर.के. थरेजा ने किया। उन्होंने भूकंपरोधी निर्माण की जरूरतों के बारे में बताया। इसके बाद कानपुर आईआईटी में सिविल इंजीनियरिंग विभाग के प्रो. ओमकार दीक्षित और प्रो. दुर्गेश सी राय ने छात्रों को देश-विदेश में सिविल इंजीनियरिंग के क्षेत्र में हो रहे तकनीकी बदलावों के बारे में बताया। बंगाल इंजीनियरिंग एंड साइंस कॉलेज शिवपुर के डिपार्टमेंट ऑफ आर्किटेक्चर के प्रो. केया मित्रा, बीएन कॉलेज ऑफ आर्किटेक्चर फॉर वीमेन पुणे की वसुधा गोखले और प्रो. मीरा शिरोडकर ने छात्रों को आर्किटेक्चरल इंजीनियरिंग की जरूरतों और समय के अनुसार परिवर्तन के बारे में बताया। इसके अलावा छात्रों को उनके डिजायन के बारे में मार्गदर्शन दिया। एनआईसीईई के को-ऑर्डिनेटर सुरेश अलावदी ने बताया कि इसमें 20 कॉलेजों के 70 छात्र आने थे। आज के व्याख्यान में 17 कॉलेजों के 56 छात्रों ने भाग लिया। सभी छात्र अपने डिजायन बनायेंगे। 11 जुलाई को ज्यूरी श्रेष्ठ डिजायन को चुनेगी ।

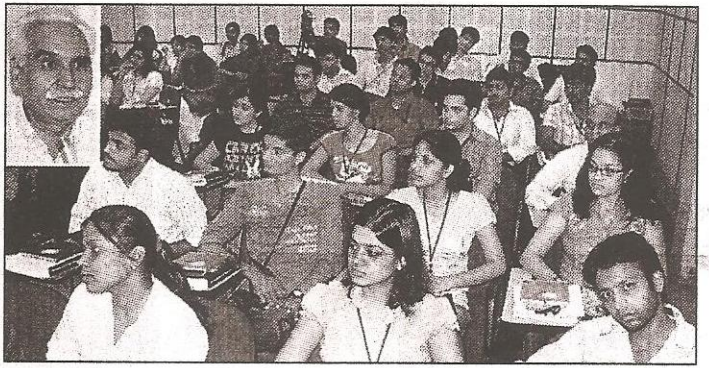

कार्यशाला में भाग लेते छात्र और संबोधित करते आईआईटी के उपनिदेशक आरके थरेजा ।